पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

हथौड़

गाँव- हथौड़, पंचायत -करोली

तहसील- बिछीवाडा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

गाँव का इतिहास

गाँव के लोगों के अनुसार यह गाँव करीब 300 साल पहले बसा है 1 गाँव के लोगों की मान्यता है कि पुराने समय में गाँव में कोई व्यक्ति कुछ लोगों से मजदूरी पर काम करवा रहा था। इसी दौरान इस व्यक्ति ने एक आदमी को खट्टी छाछ लाने को कहा, लेकिन वह जल्दबाजी में छांछ की बजायहथौड़ा ले आया। तब से इस गाँव का नाम हथौड़ पड़ा।

यहाँ एक नीलापानी महादेव मंदिर है जो गाँव की सबसे ऊँची पहाड़ी पर है हर साल यहाँ मेला लगता है जहाँ दूर दूर से लोग अपने हस्त निर्मित वस्तुओं को बेचने के लिए दुकान लगाते है 1

हथौड़गाँव का परिचय

हथौड़करौली ग्रामपंचायत काएक राजस्व गाँव है, जो कि जिलाकार्यालयडूंगरपुरसे 13किलोमीटर दूर पश्चिम दिशा में बसा हुआ है। करौली पंचायत में तीन गाँव है – भीमसोर, करौली और हथौड़। हथौड़गाँव से सटे हुए तीन गाँव है – उत्तर में घुघरा, पूर्व में भुनेश्वर, दक्षिण में माण्डवा और पश्चिम में नलवा 1हथौड़एक राजस्व गाँव है,गाँव सभा का गठन गाँव के लोगों के आपसी सहमति के साथ शिलालेख से 12 दिन पहले मीटिंग में कर लिया गया और इसके बाद शिलालेख 12जनवरी, 2018 को हुआ 1 हथौड़गाँव में 256 घर है जिनकी आबादी लगभग 1200 लोग है 1 गाँव मेंएस.टी. जाति और ओ.बी.सी. जाति में पटेल समाज के लोग निवास करते है 1 अधिकतर घर पटेल समाज के लोगो के है 1 शिलालेख और गाँव सभाओं की लगातार होने वाली मीटिंगों से गाँव के लोगों में पेसा कानून को लेकर जानकारी और जागरूकता फैली है 1हर माह एक निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है, जिसमे गाँव की समस्याओं तथा आपसी मुद्दों को सुलझाया जाता है, जिसमे गाँव सभा के लोग शामिल होते है 1

गाँव की पूरी जमीन का रकबा 416.3 हेक्ट है जिसमे कृषि योग्य जमीन 210 हेक्ट है 1 गाँव में जंगल नहीं के बराबर है क्योंकिअभी जंगल में ज्यादातर बबूल के पेड़ उगे है लेकिन कुछ संख्या में आम के पेड़ है और उस पर वन विभाग का कब्ज़ा है जिस कारण लोग जंगल को गाँव का हिस्सा नहीं मानते है 1लघुवन ऊपज में आम के फलों को गाँव के लोग तोड़ कर बेचते है 1 पहले गाँव के पहाड़ो पर भी जलाऊ ईंधन और उपयोगी वृक्ष थे लेकिन वर्तमान में सभी की कटाई हो गयी है और पहाड़ सूखे और नंगे हो गये है 1 संसाधनों के नाम पर गाँव में 3 नदियां, 3आंगनवाड़ी, 1 रा. उ. मा. वि., 2 प्राथमिक विद्यालय,1 राशन की दुकान, 5मंदिर, 1 पंचायत भवन,1तालाब, 1श्मशान घाट,1 शिलालेखहै 1

यातायात की सुविधा एवं स्थिति

डूंगरपुर से हथौड़ तक जाने के लिए मुख्य सड़क पक्की है, जो नयी और अच्छी हालत में है 1गाँव के भीतर से 5 पक्की सड़क गुजरती है इसमें से एक सड़क मांडवा से घुघरा और दूसरी सड़क नलवा से भुनेश्वरजाती है 1गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए 4 सीसी सड़क और 7 कच्ची सड़क है। गाँव के मुख्य सड़क से प्राइवेट बस,ऑटो,जीप तथा निजी वाहन डूंगरपुर जाने के लिए मिल जाते है, लेकिन गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे ऑटो, मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीदारी के लिए बाजार हथौड़में है और मुख्य बाजार डूंगरपुर 13किमी दूर आना पड़ता है,जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है।

पेयजल की सुविधा

गाँव में 3 नदी, 16 कुएं और 32 हैंडपंप और हर चौथे घर में बोरवेल है जिसमे से 9 कुएं गर्मी में सूख जाते है और 19 हैंडपंप पाइप लिकेज और स्प्रिंग ख़राब होने के कारण पानी नहीं देते है 1 पटेलों ने अपने खेतों और घरों में पानी के लिए बोरवेल खुदवा लिए है 1 हैंडपंप और बोरवेल के पानी में

फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा है जिस कारण बीमारियाँ हो जाती है लेकिन जानकारी के अभाव में इसी पानी कोउपयोग में लेते है l बोरवेल का उपयोग ज्यादा होने के कारण भूमिगत जल स्तर निचे चला गया है l वर्तमान में पानी का स्तर 300 फीट से नीचे चला गया है जो की भविष्य में पानी को सहेजने के प्रति जागरूक न होने पर और भी गहराई में जाएगा l

कृषि और रोजगार की स्थिति

हथौड़ गाँव की कृषि व्यवस्था बारिश पर निर्भर है l गाँवमें कृषि योग्य जमीन 210 हेक्ट है, जिसपरमक्का, उडद, धान, गन्ना, तुअर, डागर, सरसों, मूंग और चना की खेती की जाती है। लेकिन पानी की कमी के चलते बरसात में होने वाली फसल ही होती है जिससे खाने का अनाज केवल चार या पांच माह तक का ही हो पाता है। कुछ पटेल लोग अपने खेतों में कपास और गन्ना जैसी नकदी फसल भी उगाते है l अधिकतर कृषि जमीन उबड़ खाबड़ है, जमीन समतल नहीं होने से उपज लेने में समस्या आती है l रोजगार के नाम पर मनरेगा में मजदूरी और दिहाड़ी मजदूरी करते है l इसके अलावा युवा लोग डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात राज्य पास में होने के कारण अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है,जहां वे कपास के खेतों या आइसक्रीम फेक्ट्री में या कपड़ो की मीलों में काम करते है।अधिकतर लोग गुजरात की नमकीन बनाने की फेक्ट्री में भी काम करते है l

सिंचाई एवं पशुपालन

सिंचाई के लिए गाँव में 1 तालाब, 3 नदिया, 16कुएंऔर बोरवेल है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतु में सभी जल स्रोतों में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमे पानी की कमी हो जाती है lगाँव में बारिश के पानी को रोकने के लिए एक भी एनिकट नहीं है जिस कारण वर्षा ऋतु के साथ ही पानी बह कर निकल जाता है l तालाब कच्चा और कम गहरा है l गाँव में गाय, भैंस, बैल और बकरी पाली जाती है l गाँव में चारागाह जमीन बहुत कम है उस पर जो चारा उगता है वो पशुपालन के लिए पर्याप्त नहीं है जिस कारण चारा गुजरात या पास के जिलों से खरीद कर लाना पड़ता हैl चारे की एक पुली (गट्टर) 7 से 9 रुपये में पड़ जाती हैl पूरा ट्रक भूसा या चारा 18000-20000 रुपये तक पड़ जाता है l जसी कई लों मिलकर खरीदते है l

शिक्षा व स्वास्थय

गाँव में 2 प्राथमिक और 1 रा. उ. मा. विद्यालय है। प्राथमिक स्कूल में 82 छात्र-छात्राये है और सिर्फ 4 अध्यापक है, विद्यालय भवनजर्जर अवस्था में है, स्कूल की छत कीमरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और फर्श में गड्डे पड़ गये है l सभी स्कूलों में ना तो बैठक व्यवस्था सही है ना ही खेल का मैदान है तथा छात्र-छात्राओं के लिए अलग अलग शौचालय भी नहीं बने है l अध्यापकों की कमी और पूरी सुविधा ना होने के कारण पढाई अच्छे से नहीं होती है l कक्षा-कक्षों की कमी के कारण अक्सर दो कक्षाओं को शामिल बैठा कर पढाया जाता है l पढाई अच्छी ना होने के कारण गाँव के बच्चे पास के दूसरे गाँवों में जाते है, उच्च शिक्षा के लिये 13 किमी दूरडूंगरपुरशहर में जाना पड़ता है,अधिकतर बच्चे रोजाना आते-जाते है l गाँव में 3 आंगनवाड़ी है लेकिन तीनो ही ख़राब हालत में है उनकी फर्श और छत टूट गयी है l

गाँव में कोई उपस्वास्थ्य केन्द्र नहीं है यह करौली गाँव में 4 किमी दूर है और सरकारी हॉस्पीटल के लिए गाँव से 8किमी दूर कनबा जाना पड़ता है l मरीजों को लाने ले-जाने के लिए टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 1 3किमी दूर डूंगरपुर में है। अधिक गंभीर बीमारी होने पर गुजरात के अहमदाबाद या उदयपुर के हॉस्पिटल में रेफर किया जाता है l बीमार पालतू जानवरों के इलाज के लिए

पशु अस्पताल घुघरा में 3 किमीदूर है। यदि डाक्टर नहीं आ पाता है तो बीमार पशु को गाड़ी में अस्पताल लाया जाता है 1

सरकारी योजनाएँ

गाँव के 200 से अधिकघरों में बिजली की सुविधा उपलब्धहै।गाँव में 97इंदिरा आवास, 54 प्रधानमंत्री आवास और 73 मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है तथा गाँव में 30महिलाओं को विधवा पेंशन मिलती है।गाँव में आधे से ज्यादा परिवारों को उज्जवला गैस कनेक्शन मिल चुका है। गाँव में ही राशन की दुकान है 1

हथौड़ गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है -

प्राकृतिकसंसाधनों का विघटन

गाँव के जंगल में बबूल के पेड़ है और इस पर वन विभाग का कब्ज़ा है और पहाड सूखे और नंगे है 1जो चारागाह की जमीन बच गयी है,वहां पर लोगों ने अपने खेत बना लिये है या कब्ज़ा कर लिया है । गाँव में कई पीढीयों से लोग निवास कर रहे है और खेती कर रहे है लेकिन उन्हें खातेदारी हक या पट्टा नहीं मिला है 1 खेती की 210 हेक्ट भूमि खेती योग्य है लेकिन यह उबड़-खाबड़ है 1

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में अधिकतर लोगों के पास खातेदारी हक और पट्टा नहीं है 1 यदि कुछ लोगो के पास पट्टे है भी तो न्यूनतम कृषि भूमि दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा जमीन का पट्टा है। कृषि भूमि के उबड़ खाबड़ होने के कारण खेती भी ढंग से नहीं हो पाती है जमीन को समतलीकरण की आवश्यकता है 1 गाँव में पानी की सुविधा के लिए 3नदियाँ, 1 तालाब, 16 कुएं है लेकिन जल स्तर नीचे होने के कारण, गहराई कम होने और तालाब से पानी का रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। असिंचित खेतों में सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश के पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है1 पहाड़ों से बहने वाले बारिश के पानी को रोकने के लिये गाँव में एक भीएनीकट नहीं है, जिससे गर्मियों के मौसम मेंभूमिगत पानी की कमी हो जाती है 1 गाँव में पानी का स्तर 300 फुट से नीचे है। गाँव में 16कुएं है,जिनमें से 09 तो सूखे ही रहते है और बाकी में साल के मई, जून माह तक पानी खत्म हो जाता है। पेयजल की व्यवस्था के लिए गाँव में 32हैण्डपम्प है आधे से अधिक हैंडपंपगर्मी के मौसम में सूख जाते है। सभी चालू हैण्डपम्पऔर बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। वर्षा जल संरक्षणके सम्बन्ध में हाल फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

हथौड़ में प्रमुखतया गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। दुधारू पशुओं से इतना ही दूध हो पाता है कि घर के छोटे बच्चों का काम चल जाये, आवश्यकता पड़ने पर गाँव में किसी दुकान से खरीदते है 1 क्योंकि पशुओं को खिलने के लिए चारा पर्याप्त मात्रा में नहीं होता है 1 खेती की जमीन 210 हेक्ट है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जाता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीदकर लाना पड़ता है। चारे की एक पुली या गटठर 7-9 रूपये में खरीदते है या फिर 4-5 परिवार वाले मिल कर 18,000 से 20,000 रूपये में भूसे का ट्रक खरीदते है।

कृषिएवंखाद्यान्न की समस्या

अभी कई किसान खेत जोतने के लिए ट्रैक्टर का उपयोग करते है लेकिन सिंचाई के पानी की कमी, उन्नत बीज और अच्छी खाद के अभाव में होने वाली उपज की लागत नहीं मिल पाती है और किसान को घाटा हो जाता है । हथौड़ गाँव में सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति बारिश के मौसम में ही पूरी हो पाती है इस कारण मुख्य खाद्यान्न फसल बारिश में उगा ली जाती है । गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। सिंचाई के जो भी संसाधन है वे सारे गर्मी के मौसम में बेकार हो जाते है । पटेलों के पास समतल खेती की जमीन है, ग्रीष्म ऋतुमें जिन खेतों में फसल उग रही है वे कुआं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 300 फुट से भी नीचे चला गया है। वर्तमान में गाँव में 32हैंडपंप है और आधे से ज्यादा गर्मी में सूख जाते है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 16कुऐं, 1 तालाब है लेकिन अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते है। गाँव में खाने में मुख्यतः मक्का उपयोग में आता है इसके अलावा गेहूँ, ग्वार, उडद, तुअर, चने की खेती और कुछ नकदी फसल गन्ने और कपास की खेती की जाती है, यह खेती भी वही लोग कर पते है जिनके बोरवेल या कुओं में पानी की आवक रहती है । खेती में उपजा अनाज केवल 4 या 5 माह ही चल पाता है, इसके पश्चात खाने के लिए राशन की आपूर्ति का विकल्प सरकारी गेहूँ है या खरीद कर लाना पड़ता है। सरकारी उचित मूल्य की दुकान हथौड़ में है। राशन की दुकान पर गेहूं मिलता है, चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर मिटटी का तेल नहीं दिया जाता है, पॉस मशीन की भी समस्या रहती है, तथा गाँव में ऐसे परिवार भी है जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे है और उनके नाम राशन कार्ड बी.*पी.एल. की खाद्य सुरक्षा योजना से नहीं जुड़े है* ।

आवागमनकी समस्या

हथौड़ में सभी पक्की सड़के नई बनायी गयी है जिस पर प्राइवेट बस, ऑटो,मोटर साईकिल या पैदल जा सकते है। लेकिन अभी एक सड़क जो पटेल बस्ती से होती हुई आदिवासी इलाके में जाती है वह करीब 500 मीटर टूटी हुई है जिस पर धूल – कंकड़ उड़ने की समस्या आम है साथ ही बारिश में कीचड़ से भर जाती है जिसकारण आने जाने में समस्या रहती है । अधिकतर घर पक्की सड़कों के पास ही बने है । गाँव में 4 सी.सी. सड़क है और 7 कच्ची सड़क है जिसमे से 6 काफी बुरी हालत में है, उन्हें सी.सी. सड़क से जोड़ने की आवश्यकता है । लेकिन गाँव के भीतर रहने वाले 70 – 80 घर के लोग कच्ची सड़क की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित रहते है, खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है।गाँव के फलों में केवल निजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

हथौड़में256 घर है, लेकिन पढने वाले बच्चों के लिए केवल 2 प्राइमरी विद्यालय और 1 रा.उ.मा.वि. है,वे भी इतनी जर्जर अवस्था में है किस्कूलों की छतों से बारिश में पानी टपकता है और फर्श में गड्डे पड़ गये है । सभी स्कूलों में विद्याथियों के बैठने के लिए ना तो दरी है ना ही टेबल स्टूल की व्यवस्था है, खेलमैदान नहीं है औरछात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय भी नहीं बने है । अध्यापकों की कमी और पूरी सुविधा ना होने के कारण पढाई अच्छे से नहीं होती है । कक्षा-कक्षों की कमी के कारण अक्सर दो कक्षाओं को शामिल बैठा कर पढाया जाता है । जिससे बच्चों की पढाई बाधित होती है ।पीने के पानी की उचित व्यवस्था नहीं है,उच्च शिक्षा के लिये 13 किमी डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है,बस और अन्य यातायात के साधनों की सुविधा आसानी से मिलने के कारण अधिकतर बच्चे रोजाना आते-जाते है । गाँव की 3आंगनवाडी की छत खराब हो चुकी है जिससे बारिश का पानी अन्दर टपकता है इसलिए उसमें

लोग अपने बच्चों को कम भेजते है । गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र करौली4 किमी और सरकारी हॉस्पिटल कनबा में गाँव में 8किमी दूर है, बडा हॉस्पीटल गाँव से 13किमी दूर डूंगरपुर शहर में है जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

रोजगार की स्थिति गाँव में बहुत खराब है, गाँव में लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए खेती करते है या फिर मनरेगा में मिलने वाले काम करते है । लेकिन मनरेगा का काम गाँव में बहुत कम मिलता है । गाँव के पढ़े लिखे युवा उदयपुर जिले या गुजरात राज्य की किसी फैक्ट्री में मशीन पर काम करते है या गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर,सूरत,मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। जहाँ उनको ज्यादातर नमकीन और आइसक्रीम फैक्ट्री में काम मिल जाता है। मनरेगा में काम मिलने पर गाँव की ज्यादातर महिलायें जाती है तथा जो पुरुष यहां रह कर खेती करते है वे भी नरेगा में काम पर जाते है। मनरेगा में उन्हें पूरे 100 दिन काम नहीं मिलता है, वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है, वह भी 100रूपयेसे कम दी जाती है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टरोल के रूपये नहीं मिले है। जिसके लिये जवाब मांगने पर बैंक खातों के स्थानान्तरण की बात कह कर टाल दिया जाता है।

सरकारी योजनओं से वंचित लोग

हथौड़की जुलाई, 2018 की गाँव सभा में करीब 11 घरों को सूचीबद्ध किया गया है जिन्हें आवास की बहुत जरुरत है । कई गाँव वाले इस स्थिति में है कि खाने के लिए अनाज नहीं मिलता है और वे मिर्ची – लहुसन की चटनी से पेट भरते है । गाँव में कुछ परिवार भी उज्ज्वला गैस योजना से वंचित है । जिन लोगों गैस कनेक्शन मिला है उन्हें मिट्टी का तेल नहीं मिलता है, जिससे लोगों को रात अन्धेरे में गुजारनी पड़ती है । श्रमिक कार्ड की जानकारी और उससे मिलने वाले लाभों की जानकारी नहीं होने से गाँव में लोगों का श्रमिक कार्ड नहीं बना है।

अन्य

1 श्मशान घाट है लेकिन यह खुले में है उस पर टीन या छाया की व्यवस्था नहीं है न ही कोई बैठक व्यवस्था है । गाँव में उप-स्वास्थ्य केंद्र नहीं है । गाँव में फ्लोराइड मुक्त शुद्ध पीने के पानी के लिए आर. ओ. की सुविधा नहीं है जिस कारण निवासी फ्लोराइड युक्त पानी पीने के लिए मजबूर है ।

गाँव में उपलब्धसंसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं–

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नदी तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में 3 नदियाँ है । तीनो ही नदियों में बारिश के बाद पानी सूख जाता है। बारिश के पानी को रोकने के लिए एक भी एनीकट नहीं है । गाँव में सिंचाई और मवेशीयों के पानी के लिये एक तालाब है उनमे भी पानी बारिश के समय ही रहता है, क्योंकिउसकी पाल में पड़ी दरारों में से पानी बह कर निकल जाता है । गाँवमें 16कुएं और 32 हैंडपंप है लेकिन 9 से ज्यादा कुएं कम गहरे होने के कारण सूखे है और 19 हैंडपंप ख़राब पाइप और ख़राब	गाँववासियों के अनुसार यदि तालाब की पाल/रिन्गवाल को पक्का या मरम्मत की जाये तो सिंचाई और मवेशीयों के पानी के लिये पानी गर्मी में भी मिल सकता है । पहाड़ो पर बारिश के तेज़ बहाव जल को धीमा करने के लिए चेकडैम बनाने होगे । पानी को गाँव में रोकने के लिए एनिकट बनाना होगा । तालाब को गहरा करना होगा । इससे खेतों में पानी की सुविधा अच्छी हो सकती है । चेकडैम और एनिकट बनाने सेगाँव में जमीनी पानी का

	स्प्रिंग होने से पानी नहीं आता है, जो चालू है उनके पानी में भी फ्लोराइड की मात्रा अधिक है । तालाबमें गर्मी शुरू से पहले हीपानी सूख जाता है। ऐसी स्थिति में मवेशीयों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है।	तो जलस्तरऊंचा होगा और गाँवमें गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। सभी ख़राब हैंडपंप को सही कराना और जिस हैंडपंप का पानी में फ्लोराइड की मात्रा नहीं है या बहुत कम है तो उस पर आर.ओ. प्लांट लगाया जा सकता है । नदी पर बांध बन जाने से लोगों को पानी के संकट से निजात मिल सकती है ।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चरागाह जंगल	गाँवकी 210 हेक्ट भूमि कृषि योग्य है । खेती की जमीन उबड़-खाबड़ है,छोटी पहाड़िया,पथरीली जमीन है।सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेती केवल बारिश के मौसम में होती है । गाँवकी चारागाह भूमि बहुत कम है जिसपर गाँव वालों ने कब्ज़ा कर रखा है और जंगल पर वन विभाग का कब्ज़ा है उसमे अभी कुछ पेड़ आम के है लेकिन ज्यादातर बबूल के कांटेदार पेड़ है । बिलानाम जमीन पर घर बने हुए है, लेकिन आवासीय जमीन के पट्टे नहीं मिले है । गाँव में चारागाह भी हैजिस पर केवल बरसात में होने वाली घासहोती है जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। बहुत कम समतल भूमि ही सिंचित है बाकी जमीनें उबड़-खाबड़ और असिंचित है।	गाँव के लोगो को उनके कब्जे की रिहायशी जमीन के पट्टे मिले । गाँवसभा के द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के तहत उबड़-खाबड़ जमीनों को समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है।जिस जमीन पर किसी प्रकार की उपज या पैदावार नहीं होती है उस पर फलदार वृक्षारोपण करके गाँव को कमाई का स्रोत मिल सकता है । जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं।
सड़क पक्की सड़क सी.सी. सड़क कच्ची सड़क	गाँव में एक सड़क 500 मीटर तक टूटी हुई है । सभी कच्ची सड़कों में गड्ढे पड़ गये है इसके अलावा 4सी.सी. सड़क हैI सीसी सडको की चौड़ाई कम है और एक सी.सी. सड़क में गड्ढे पड़ गये है जिसके कारण हादसों की सम्भावना बनी रहती हैI गाँव में पहाड़ी पर बसे कुछ फलों में जाने के लिए कच्ची सड़क की व्यवस्था भी नहीं है जिस कारण उन्हें आने जाने में समस्या रहती है ।	गाँव की अधूरी पक्की सड़क को पूरा किया जाये । यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़को को चौड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगीI
प्राथमिक स्कूल और रा.उ.मा. विद्यालय	गाँव में 2 प्राइमरी स्कूल है। दोनों ही प्राइमरी स्कूलों की छत से बारिश में पानी टपकता है और फर्श में गड्ढे पड़ गये है ।स्कूलों में समुचित बैठक व्यवस्था, खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति भी सही नहीं है । अध्यापक समय पर नहीं आते है और सभी विषय के अध्यापकों की नियुक्ति नहीं हो रही है जिस कारण बच्चों की पढ़ाई	प्राइमरी स्कूलोंमें छत के ऊपर चाइना मोजिक करवाकर और प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। फर्श के गड्ढों को भरवा कर बैठने के लिए दरी दी जाये । इसके अलावा स्कूलोंमें छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनवाये जाये । स्कूलों और खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है ।

	नहीं हो पा रही है l पीने के पानी की उचित एवं साफ़ व्यवस्था भी नहीं है l कक्षा-कक्षों की कमी के कारण भी दो कक्षायें एक साथ पढ़ती है जिससे भी पढाई का स्तर नीचे गिर रहा है l	पीने के पानी के लिए आर.ओ. का प्रबन्ध किया जाये l अध्यापकों को नियुक्त किया जाये तथा वर्तमान में नियुक्त अध्यापकों को समय पर आने के लिए पाबंद किया जाये l
आंगनवाडी	गाँव में 3आंगनवाडीहै,जो टूटी हुई है और खस्ता हाल है l यहाँ पर पीने के पानी और शौचालय की व्यवस्था नहीं है l	इनकी मरम्मत करवा कर अच्छा करना हैl और पीने के पानी के लिए हैंडपंप और शौचालय बनवाना है l
शमशान घाट	गाँव का शमशान घाट पूरी तरह से टूट चुका है, ना तो वहां पर टीनशेड है ना ही चबूतरा है और पानी के लिए हैंडपंप या कुआ भी नहीं है	नए सिरे से शमशान घाट का निर्माण करवाना है और हैंडपंप या कुएं खुदवाना है तथा बैठक के लिए भवन बनवाना है l

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ हैl सिंचाई के लिए 1 तालाब, 16 कुएं, 3 नदियाँ है और बरसात का पानी गाँव में रोकने के लिए कोई एनिकट नहीं है l बोरवेल की संख्या अधिक होने के कारण पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है, क्योंकि पानी का स्तर 300 फीट नीचे चला गया है l अच्छी खाद, उन्नतशील बीज का अभाव होने से फसल उत्पादन प्रभावित होता है l	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत खेत-समतलीकरण, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे-पक्के चेकडैम का निर्माण। घर और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना l गाँवमें बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। बोरवेल का उपयोग कम करके ज्यादा से ज्यादा कुओं का उपयोग किया जाये ताकि भू-जल स्तर एकदम से नीचे न जाये और सभी को सिंचाई का पानी मिल पाए l	**तात्कालिक**
2	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 2 प्राथमिक और 1 रा.उ.मा. स्कूल है l स्कूलों में कक्षा-कक्ष कम है, तीनो स्कूलों में अध्यापकों की कमी है, जो अध्यापक अभी वर्तमान में कार्यरत है	गाँव में एक माध्यमिक स्कूल व्यवस्था की जाये और सभी स्कूलों में व्यवस्थायेपूरी और अच्छी दी जाये l नए अध्यापकों की नियुक्ति की जाये और	तात्कालिक

			वे भी समय पर नहीं आते है l स्कूलों की छत से बारिश में पानी टपकताहैl स्कूलों में बैठक व्यवस्था, खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है l पीने के पानी के लिए टंकी और शुद्ध जल की उचित व्यवस्था नही है l	अध्यापको को समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये l नये कक्षा-कक्षों का निर्माण किया जाये l स्कूलों का परकोटा, खेल मैदान की बाउन्ड्री और शौचालय का निर्माण करवाना होगा l	
3	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँवमें पेयजल के संसाधनों में 16 कुएं और 32 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव का जलस्तर 300 फिट से नीचे चला गया हैl गर्मी के मौसम में लोग बोरवेल से पानी सिंचाई के लिए अधिक निकाल लेते है जिस कारण पानी की कमी हो जाती है l	जिन कुओं में पानी खत्म हो गया है उन्हें गहरा करवाना l जो हैंडपंप बंद हो गये है उन्हें गहरा करवाना और कम फ्लोराइड वाले हैंडपंप पर शुद्ध पानी की आपूर्ति के लिए आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए l गाँव में योजना के तहतघरों के बाहर पक्के टाके बनानाजिसमे बारिश के पानी को संरक्षित करके साफ कर पीने के लिए काम में लिया जा सकता है l जिससे गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँव सभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है l	**दीर्घकालिक**
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	अधूरी पक्की सड़क को पूरा बनाया जाये l तेज बारिश में सड़के टूट जाती है और हादसों की संभावना बनी रहती है l सबसे ज्यादा समस्या उन घरों की है जो गाँव के अंदरूनी हिस्से में रहते है जहाँ सड़के कच्ची है वहाँ सड़के कीचड़ से भर	गाँवसभा ने कच्चे रास्तों कों सीसी सडक से जोड़ने के प्रस्ताव लिए गए हैं और टूटी हुई पक्की पूरी करना और कच्ची सड़कों को सी.सी. सड़क में बदलना l सड़क किनारे नालियों की व्यवस्था और रोड लाइट की व्यवस्था करना	**तात्कालिक**

			जाती है l	l	
5	**सरकारी योजनाओं का सहीं तरीके से क्रियान्विति नहीं होना –पेंशन, आवास निर्माण, शौचालय निर्माण और इनके बकाया भुगतान संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत**	पेंशन योजना में समस्या यह है कि जीवित प्रमाणपत्र ना देने और सरकारीकागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद हैl गाँव में आवास योजना में अभी भी कई लोगो को मकान और शौचालय नहीं बने है क्योंकि उनकानाम लाभान्वितों सूची में नहीं है और जिन लोगों के बने भी हैं तो उनमें से ज्यादातर लोगों को दूसरी या तीसरी क़िस्त का भुगतान नहीं हुआ है। इन बकाया भुगतान को दिलाने के बदले में उनसे पंचायत सचिव द्वारा राशि की मांग की जाती है l	गाँवके सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना।जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	**तात्कालिक**
6	**खाद्यसुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान गाँव में है l अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है l अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है, शक्कर और केरोसिन त्यौहार पर मिलता है l उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिलने से मिटटी का तेल मिलना भी बंद हो गया है l	राशन डीलर को पाबंद कर समय पर दुकान खोलने और पूरा राशन दिलवान और जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना l जिन्हें उज्ज्वला गैस कनेक्शन नहीं मिला है उन्हें मिटटी का तेल उपलब्ध करवाना	**तात्कालिक**
7	**आंगनबाड़ी केंद्र**	**सार्वजनिक**	गाँव में 3 आंगनबाड़ी केंद्र है लेकिन इनकी छत से बारिश के मौसम में पानी टपकता है और फर्श भी टूट गयी है l पीने के पानी और शौचालय की व्यवस्था नहीं है l	छत और फर्श की मरम्मत करवानी है l पीने के पानी, शौचालय और खेलने व आखर ज्ञान के लिए समुचित प्रबन्ध करना l	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	**W- Weakness कमजोरी**	**O- Opportunities अवसर**	**T- Threats चुनौतियां**
आवागमन -	टूटी अधूरी पक्की सड़क	रास्ते ठीक होने से गाँवमें	गाँव में पटेलों का

कच्चे रास्ते, सी.सी. सड़क, पक्की सड़कें	को ठीक नहीं करवाना l कच्चे रास्तों कोसी.सी. नहीं करना।सड़क को चौड़ा नहीं करवानाऔररोड लाइट की मांग नही करना l	साधन आ जा सकते हैं जिससे छोटे मोटे व्यवसाय किए जा सकते हैं। सीसी. सड़को की पहुँच सभी लोगों तक होने से आने जाने में समय की बचत होगी। रोड लाइट लगने से दुर्घटनाओ की संभावना कम हो जायेगी l	प्रभुत्व है l गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी। समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना l
जल नदी तालाब कुआं हैंड पंप बोरवेल	गाँव में 3नदियाँ, l तालाब है लेकिन टूटा होने की वजह से गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है l कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। ज्यादातर हैंडपंप सूखे पड़े है l बोरवेलों की संख्या अधिक होना l फ्लोराइड मुक्त पानी की उपलब्धता के लिए प्रयास नहीं करना l गाँव में जल की कमी ना हो इसके लिए गाँवके लोगों की जागरूकता में कमी। जल संरक्षण के बारे में गाँव वालों में जागरूकता न होना l	गाँव सभा में प्रस्ताव लेकर कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण किये जाये, पानी को रोकने के लिए हर घर के बाहर पक्के टांके का निर्माण करवाना l बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से अगर रोका जाए तो गाँवमें पानी के संकट को दूर किया जा सकता है जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा किया जाता हैं। बोरवेल का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालनाताकि जल स्तर एकदम से नीचे न जाये l गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना l	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने को कोई कार्ययोजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता।
आजीविका के साधन	गाँवमें रोजगार के साधनकाअभाव।मनरेगा में 100 दिन काम नहीं मिलना और मजदूरी भी कम मिलना l	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, चारागाह का अच्छा प्रबंधन, अच्छी नस्ल के पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। घरेलू उद्योग भी किये जा सकते हैl	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती कीजमीन का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव।जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमीजैसे- दावा पत्र न लेना, जरूरतमंद कों जमीन नहीं मिलना, लघुवन उपज न लेना

			इत्यादि l
भूमि	गाँव के लोगों के पास जमीन के पट्टे ना होना lसभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। जमीन का उबड़-खाबड़ होना l गाँवकी खाली पड़ी जमीन का प्रयोग नहीं होना। जंगल की जमीन पर सामुदायिक दावा नहीं करना l	कब्जे की जमीन के पट्टे लेनाl भूमि समतलीकरण करना l खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना।गाँवकी सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदारवृक्षारोपण करवाना। जंगल को अधिकार में लेकर फिर से विकसित करना l	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्योका विवरण –**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में प्रस्ताव वृद्धा पेंशन विकलांग पेंशन एकलनारी पेंशन पालनहार	 10 3 1 1
पी.एम., सी.एम. आवास योजना	11
शौचालय निर्माण	9
विद्यालयके सम्बन्ध में प्रस्ताव प्रा.वि. में आर.ओ. प्लांट शौचालय निर्माण खेल मैदान और परकोटा 5 अध्यापक नियुक्ति कक्षा कक्ष निर्माण छत और फर्श मरम्मत	 1 3 3 प्रा. और उ.मा. वि. प्रा. और उ.मा. वि. प्रा. और उ.मा. वि.
आंगनवाडी निर्माण मरम्मत	2 1
उप-स्वास्थ्य केंद्र निर्माण	1
पशु - चिकित्सालय निर्माण	1
नयी राशन की दुकान निर्माण	1
सामुदायिक भवन निर्माण	1
सी.सी. सड़क निर्माण	2
नया हैंडपंप खुदवाने के सम्बन्ध में	10
एनिकट निर्माण के सम्बन्ध में	1
केटेगरी 4 के कार्य खेत समतलीकरण व मेड़बंदी, रिंगवाल नया कुआं / कुआं गहरीकरण मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण खेत तलावडी	24
चेकडेम निर्माण के सम्बन्ध में	2
जॉब कार्ड बनवाने के सम्बन्ध में	7
आर.ओ. प्लांट लगवाने के सम्बन्ध में	2
शमशान घाट निर्माणके सम्बन्ध में	1
सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के सम्बन्ध में	
गाँव के विवाद गाँव में निपटाने के सम्बन्ध में	

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया –

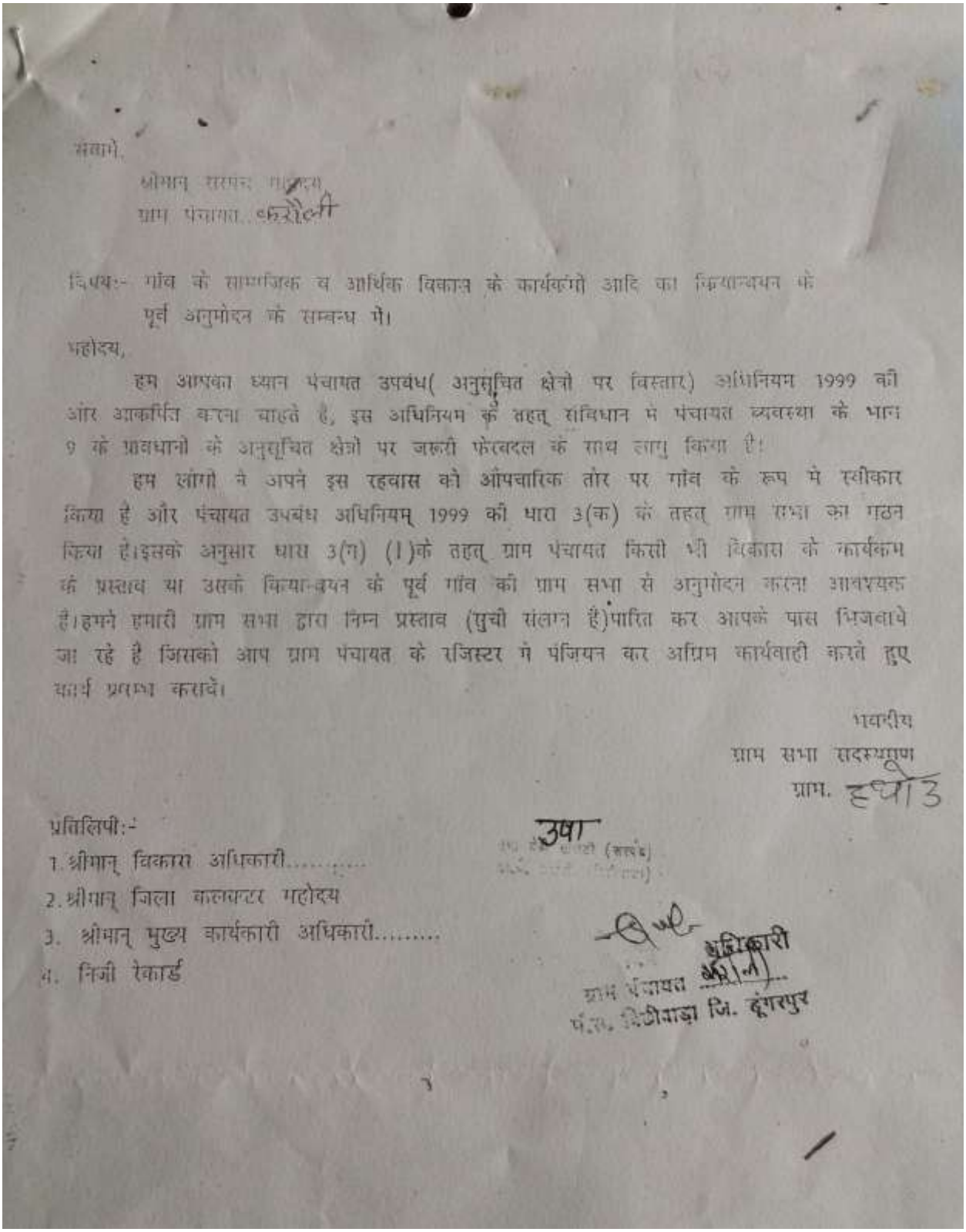

सेवामें,

श्रीमान सरपंच महोदय
ग्राम पंचायत करौली

विषय:- गांव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रो पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान मे पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानो के अनुसूचित क्षेत्रो पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगो ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गांव के रूप मे स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (1)के तहत् ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गांव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावे।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम. हथौड़

प्रतिलिपी:-

1. श्रीमान् विकास अधिकारी..........
2. श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय
3. श्रीमान् मुख्य कार्यकारी अधिकारी.........
4. निजी रेकार्ड

उषा

अधिकारी
ग्राम पंचायत
पं.स. बिछीवाड़ा जि. डूंगरपुर

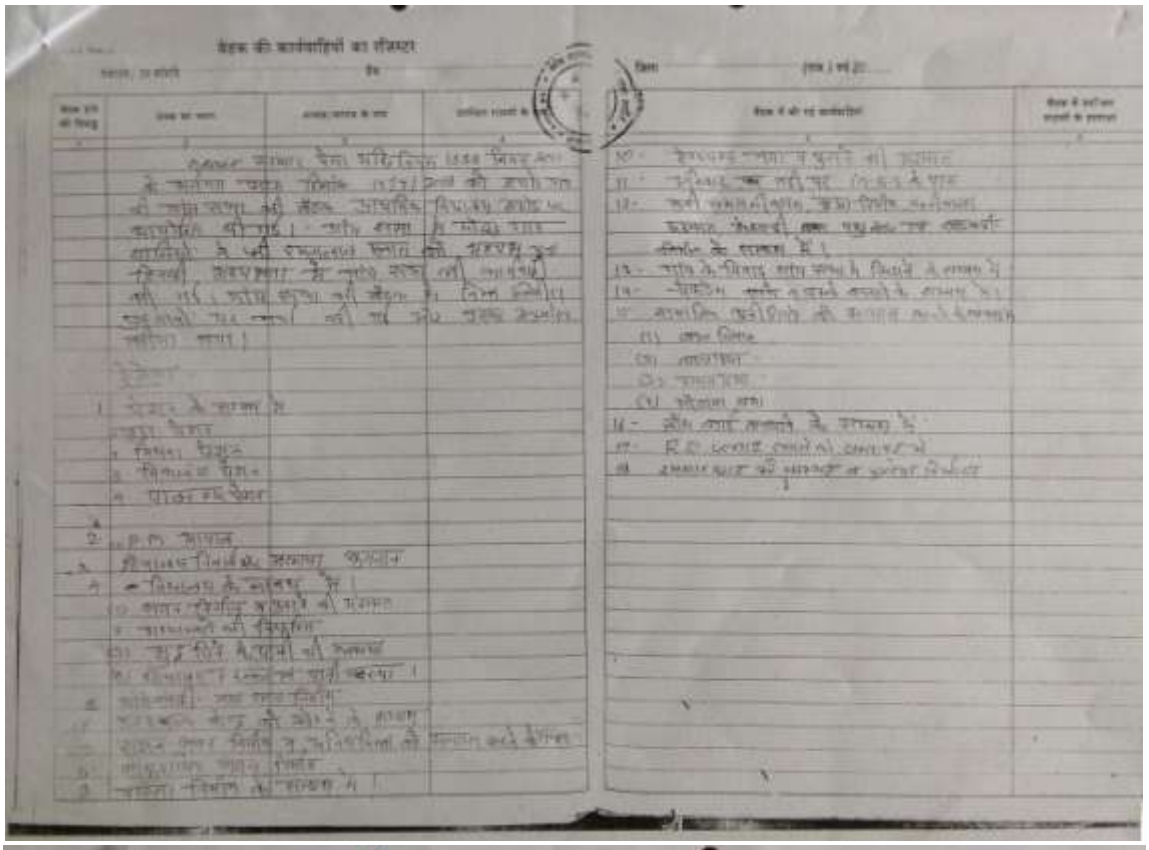
बैठक की कार्यवाहियों का रजिस्टर

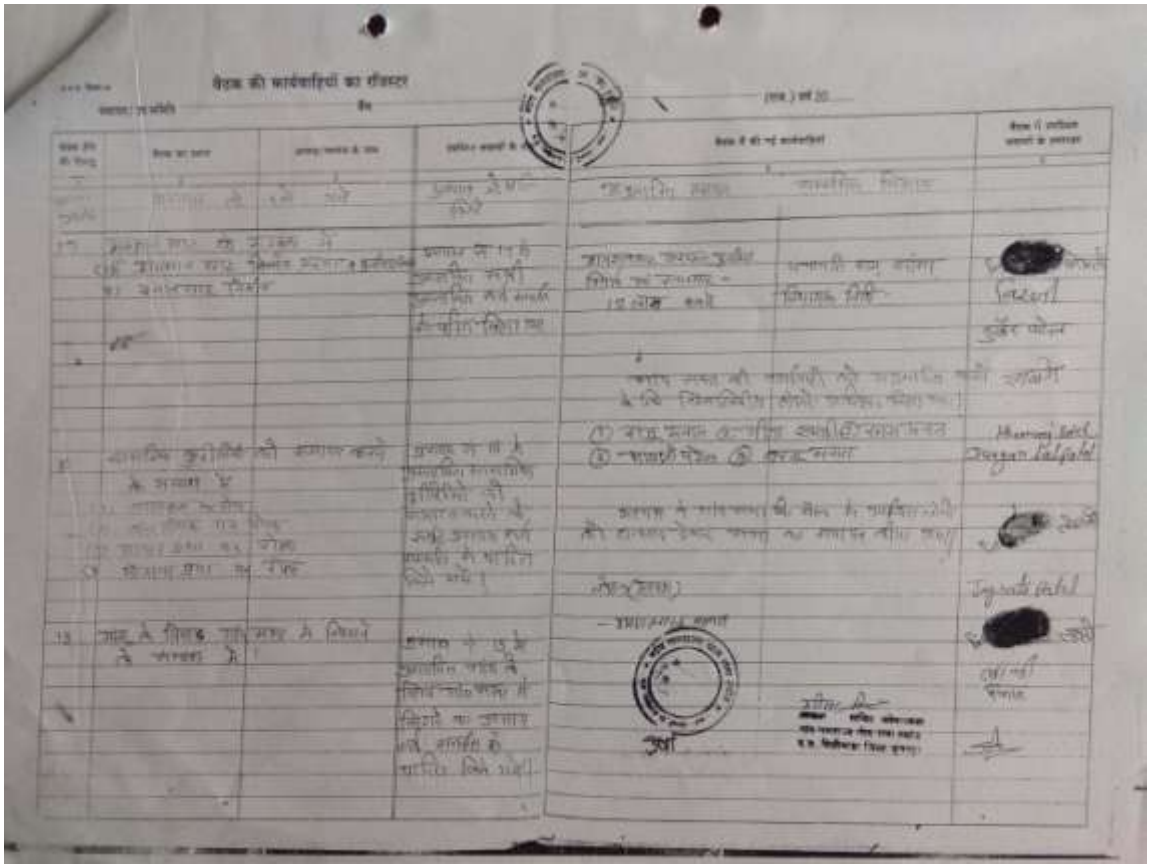
बैठक की कार्यवाहियों का रजिस्टर

विलेज प्लैनिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1.	राजू मनात	9950603848
2.	गीता खराड़ी	7023489173
3.	रमिला	8890821252
4.	मुकेश सोलविया	7357759808
5.	गोतम सोलविया	8890365244